दैनिक भास्कर
देश का नंबर 1 अखबार
सच्ची बात, बेधड़क
झुंझुनूं, राजस्थान | शुक्रवार, 3 अप्रैल, 2026 | 12 राज्य | 6 संस्करण

डिजिटल हेल्थ • सीरी पिलानी वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई नई तकनीकी का किया हस्तांतरण

मेडिसिंक तकनीक; डॉक्टर कहीं से भी रख सकेंगे मरीज की निगरानी

भास्कर न्यूज | पिलानी

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) पिलानी ने स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मेडिसिंक तकनीकी विकसित की गई है।

मेडिसिंक तकनीक के जरिए रोगी की स्मार्ट मॉनीटरिंग की जा सकेगी। इस तकनीक का प्रौद्योगिकी हस्तांतरण वर्टेक्स मेडिटेक कंपनी को सफलतापूर्वक किया गया। इस मौके पर वर्टेक्स की ओर से संदीप मुद्गल व विवेक यादव और सीरी की ओर से डॉ. नीरज कुमार सहित टीबीडी टीम के सदस्य मौजूद रहे।

पिलानी. तकनीक का हस्तानांतरण करते वैज्ञानिक व कंपनी प्रतिनिधि।

संस्थान निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने डॉ. सत्यम श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रौद्योगिकी विकसित करने वाली टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि मेडिसिंक जैसी स्वदेशी तकनीक देश में डिजिटल हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। साथ ही, यह तकनीक विशेष रूप से दूर दराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में भी सहायक होगी।

इस प्रौद्योगिकी विकास टीम में सीरी के वैज्ञानिक डॉ. सत्यम श्रीवास्तव के नेतृत्व में सूरज मुखिया व आकाश वाघरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा। डॉ. सत्यम ने कहा कि प्लेटफॉर्म का उद्देश्य किफायती, विश्वसनीय एवं कनेक्टेड पेशेंट मॉनिटरिंग समाधान प्रदान करना है। इससे चिकित्सकों को समय पर और सटीक निर्णय लेने में सहायता मिल सकेगी। सीरी पीआरओ रमेश बौरा ने बताया कि इस तकनीक के औद्योगिक हस्तांतरण से इसके व्यावसायिक उत्पादन एवं व्यापक उपयोग का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे मेक इन इंडिया एवं आत्मनिर्भर भारत अभियानों को बल मिलेगा तथा देश में स्वदेशी चिकित्सा उपकरणों के विकास को नई दिशा मिलेगी।

मेडिसिंक आईओटी आधारित एक उन्नत तकनीक

सीरी में विकसित मेडिसिंक एक उन्नत स्मार्ट आईओटी आधारित मल्टी पैरामीटर पेशेंट मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म है। यह प्रणाली इंटेलिजेंट सेंसिंग आर्किटेक्चर पर आधारित है जिसमें उन्नत सिग्नल प्रोसेसिंग एवं नॉइज रिडक्शन एल्गोरिद्म के माध्यम से विश्वसनीय एवं क्लीनिकली उपयोगी डेटा प्राप्त होता है। यह डिवाइस रियल टाइम डेटा एक्विजिशन एवं क्लाउड कनेक्टिविटी के माध्यम से मरीज की जानकारी को सुरक्षित रूप से सर्वर पर ट्रांसफर करती है, डॉक्टर कहीं से भी मरीज की निगरानी कर सकते हैं।